



Volume: 1

Publishing Year : 2020

SURAJ

**BACK
to
SCHOOL**

Issue : 2
₹ 145 INR
2st Edition
OCT - 20

क्या आपके बच्चे आपका
कहना नहीं मानते ?



PYTHON FOR BEGINNERS @ SURAJ

SKILL PROGRAM OF NARENDRA MODI

USE AND IMPORTANCE OF TECHNOLOGY

ADMISSION OPEN
NEW SESSION 2020 -21

PARENTS TESTIMONIAL

M.Sc.

Physics | Chemistry | Mathematics

M.A

English | Geography | Economics

B.Sc.

Physics | Chemistry | Mathematics

B.Sc.

Medical | Non Medical

B.Com

B.A, B.ED

www.surajeducation.com | www.surajeducation.in

Helpline : -

+91 - 9991530053

College Admission
Online Process
& Guidelines

www.urja.surajschool.com

INDEX PAGE

Sr.	Title	Page
1	Front Page	1
2	Index Page	2
3	founder's desk	3
4	Editorial Board	4
5	क्या आपके बच्चे आपका कहना नहीं मानते ?	5
6	Result	7
7	Following Gandhiji's Vision	8
8	Art Gallery	9
9	Student Articles	11
10	Staff Articles	17
11	Intelligence Quotient IQ & Emotional Quotient EQ	22
12	Python for Beginners	24
13	Parents Testimonial	30
14	Hindi Crossword Puzzle	27
15	Sudoku Puzzle	28
16	Sports	29
17	Open Letter to Parents	31

From the founder's desk

Welcome to the New edition of the Monthly magazine of Suraj Education Group. I am feeling proud and excited to praise that we are ready with all new hopes and hues to bring out from the very first issue of our magazine "URJA", which is going to surely unfold the unraveled world of the most unforgettable and precious moments of the school which are missing due to COVID-19.

The magazine is to be viewed as a launch pad for the children's creative urges to blossom naturally. As the saying goes, mind like parachute works best when opened. This humble initiative is to set the budding minds free allowing them to roam free in the realm of imagination and experience to create a world of beauty in words.

The school is an incarnation of self-respect, love, affection, sensibility; responsibility and compassion which puts the students into a "State of flow". We recognize, appreciate, applaud and foster the fine blend of sensibilities in a child changing a negative outlook from drab and demoralized to bright and expectant. This school attains its eminence in the first place through the achievement of students. The magazine also espouses the School spirit which is built up within the school through the collective actions, thoughts and aspirations. All these, I believe would spur higher growth and enterprise in children.

This is our first issue, more issues yet to come, don't; get depress if your articles is not included in this issue. I invite all Suraj school Principals, Teachers, staff, students, Parents etc. to be a part of this monthly magazine.

Best Wishes!!

Jagdish Prasad (Founder & Chairman of Suraj Education Group)



From the director's desk

It gives me immense pleasure to ensure that this magazine "URJA" is a reality and I am sure this will be successfully accomplished its objective. The reflection of the students' creativity and achievements will be the epitome of the magazine. Students have put forth their ideas and thoughts that are too deep to be expressed and too strong to be suppressed. The enthusiastic write ups of our young writers are indubitably sufficient to hold the interest and admiration of the readers. We have put in relentless efforts to bring excellence. I am sure that the positive attitude, hard work, sustained efforts and innovative ideas exhibited by our young buddies (Entire Suraj Family) will surely stir the mind of the readers and take them to the dreamlike world of pure joy and pleasure. This magazine is before you with the combined efforts of the Editorial Board, Urja Team.

Thanking You!

Harish Prasad
(Director, Suraj Education Group)



From the editor's desk

This magazine is indeed a pious and our sincere attempt to make our budding talents give shape to their creativity, appreciate and recognize their work because I believe that success depends upon our power to perceive, the power to observe and the power to explore.

I take the opportunity to thank all the contributors as their contribution is the reason that makes this magazine into a reality.

Thanking You!

Vikas Bansal
(Chief Editor)
URJA Magazine

EDITORIAL BOARD

EDITOR IN -CHIEF

Mr. Sandeep Prasad
URJA Magazine

EDITOR IN -CHIEF

Mr. Abhishek Srivastava
URJA Magazine

EDITOR IN -CHIEF

Mr. Vikas Bansal
URJA Magazine

CAMPUS EDITORS



NAMITA

editormgh@surajschool.com



NEERU

editorrewari@surajschool.com



ANJU YADAV

editorpataudi@surajschool.com



JOGENDER SINGH

editorkosli@surajschool.com

MAHENDERGARH

REWARI

PATAUDI

KOSLI



SANJANA KATOCH

editorbawal@surajschool.com



RAMESH BHATIA

editorbhiwadi@surajschool.com



KANIKA GHAI

editorggn75@surajschool.com



DR. SEEMA AHUJA

editorggn56@surajschool.com

BAWAL

BHIWADI

GGN- SEC. 56

GGN- SEC.75

Graphic Editor: Ms. Sheeba Saifi

Publication Distribution

Mr. Vivek Mudgil (SEO Expert)

Ms. Kanika (Social Media Expert)

Ms. Rupali (Newsletter)

News Editor: Ms. Deepali Chugh



क्या आपके बच्चे आपका कहना नहीं मानते ?

मेरा बच्चा कहना नहीं मानते, इसने अपना होमवर्क पूरा नहीं किया इसने अपना क्लास वर्क पूरा नहीं किया । मैं अपने अनुभव से माता-पिता को बताना चाहता हूँ आपके बच्चों की दिक्कत क्या है, बच्चे ये नहीं कर रहा , ये मेरा कहना नहीं मानता और माता-पिता अध्यापक के पास आते हैं और यह सब कहते हैं ।

आप सब से मैं एक साधारण बात बताना चाहता हूँ, दुनिया की सबसे बड़ी पेरेंटिंग खुद माता-पिता होते है एक बच्चे को जन्म दिया है , अपने संस्कार से पाला है बड़ा किया है, और यह सुन के मैं अफसोस करता हूँ कि माता-पिता कैसे कह देते हैं कि मेरा बच्चा मेरा कहना नहीं मानता है बच्चे को कहना मनवाने का सबसे आसान तरीका एक बार आप अपने लेवल को बच्चे के लेवल के बराबर कीजिएगा ।

मैं एक छोटी सी कहानी से जोड़ना चाहूंगा एक मां अपने छोटे बच्चे को एक मेले में लेकर गई और बच्ची को चुप करवाने के लिए सारे जतन किए और मां थक गई बच्ची चुप नहीं हुई ।

मां के मन में ख्याल आया और उसने तुरंत बच्चे को उठाया अपने कंधे पर बिठाया और ज्यों ही बच्चे का सिर मां के कंधे के सिर से ऊपर आया बच्ची चुपचाप हो गई और हंसने लग गई ।

बच्चे ने क्या रोना चुप किया क्या वजह हुई, बच्ची ने यह माना कि मेरी मां ने मेरा कद खुद के कद से ऊपर कर दिया किसी अभिभावक को यदि अपने बच्चों को समझना है तो आपको अपने लेवल को बच्चे के लेवल के बराबर लाना पड़ेगा । बच्चे के साथ हम साथ हो जाए, बच्चे के साथ जुड़ जाए, बेटा गणित की बुक दिखाओ , विज्ञान की बुक दिखाओ , मेरे सामने नाच के दिखाओ आप उसके साथ नाचे, बच्चे को प्रेरित कीजिए बच्चा महसूस करेगा कि मेरे पापा मेरे जैसे हैं ।

हम क्या कर रहे हैं हम बच्चे को क्या कह रहे हैं तुम यह नहीं करते उनका बच्चा ऐसा करता है, इसका अर्थ यह घर में दो प्रकार के व्यक्ति हो गए - बच्चा और अभिभावक । तुमने बीच में दीवार डाल दी बच्चा कैसे जुड़े आपसे? बच्चा क्यों माने आपका कहना, छोटा बच्चा होता है, बच्चा स्कूल से आता है, परिवार के सब लोगों के चारों तरफ चक्कर लगाएगा, मम्मी- पापा बड़ी मम्मी - बड़े पापा आज मेरी टीचर ने ये किया, आज मेरी टीचर ने वो किया और घर के सारे व्यक्ति सारे काम छोड़ कर बच्चे को सुनते हैं और बच्चा बेहद खुश हो जाता है । ज्यों ज्यों बच्चे की नीव बढ़ती जाती है बच्चा 6th क्लास में आया सारे अभिभावक बैठे हुए हैं, मम्मी - पापा बैठे हुए, बच्चे ने आते हुए बेग को फेका और जोर से बोला, मम्मी आज मेरी टीचर यू किया , मम्मी क्या कहती है, चुप मैं इनसे बात कर रही हूँ जब बच्चा छोटा था,, बच्चे ने जो भी भी बोला हमने उसे समय दिया, ज्यों ज्यों बच्चे बढ़ते गए बच्चे की एज बढ़ती गई हम उससे दूर हटते चले गए और समाज में क्या हो रहा है, जितनी बड़ी हमारी बेटियां हो गई वह अपनी सहेलियों को बातें बताती हैं मम्मी को नहीं बताती हैं क्या वजह है, क्या रिजन है, बच्चे को आभास है यदि अपने मम्मी को बताया मम्मी आपकी बात को सुनेगी नहीं उल्टा आपको डांटेंगी , दूरियां बन गई 9th के बच्चे से अभिभावक ने पूछा बेटा क्या काम दिया, कुछ नहीं दिया । नर्सरी के बच्चे से पूछा, बच्चे ने तुरंत दिखाया, नर्सरी एलकेजी यूकेजी के बच्चों के घर पे मेहमान आए, बेटा अंकल को नमस्ते करो, गुड मॉर्निंग बोलो और ज्यों ज्यों बच्चा बड़ा होता चला गया 11th में आया बच्चा टीवी देख रहा है, बच्चा काम कर रहा है मम्मी ने आवाज लगाई बेटा आंटी आई है, नमस्ते करो, बच्चा नहीं करता , क्या वजह हुई यह बीच में दूरियां क्यों बनी ,कि वह बड़ा हो गया गलत बच्चे को सबसे ज्यादा संस्कार की जरूरत जब होगी जब बच्चा 16, 17, 18 साल से बड़ा हो जाएगा,

हम अभिभावक को पेट्टीएम में बुलाते हैं मैक्सिमम हमारे अभिभावक आते हैं, जो बच्चे बड़े हो गए पेरेंट्स बच्चों से दूरियां बना देते हैं उल्टा अपने बच्चों को मैं संभाल लूंगा, हम जानते है सब कुछ आप ही हो, बच्चे के सब कुछ माता-पिता होते हैं और हम कई बार कितनी बड़ी गलतियां करते हैं कि मेरे बच्चे ने कुछ गलत भी कर दिया, किसी का कोई छोटा सामान चुरा लिया टीचर का होमवर्क पूरा नहीं किया टीचर को गलत बोल दिया, पड़ोसी को गलत बोल दिया, हम क्या करते हैं, बच्चे को मामा को फोन करेंगे और जोर-जोर से बताएंगे आपने सुना, मेरे बच्चे ने आज ये कर दिया, मेरा बच्चा मेरा कहना नहीं मानता है सुनो कितनी बड़ी गलती कर दी। पब्लिक हमारे बच्चे के बारे में अच्छा नहीं बोलेंगे । जिम्मेवारी लो, बच्चों को बुलाओ, बच्चों से कहो- बेटा मैं आपकी माता हूँ, मैं आपका पिता हूँ, मेरे पास बैठो, मेरी बात को सुनो ।

[Click here Video of Director's Speech](#)

तेरे अंदर जो बात है सबसे पहले मुझे बताओ , आओ मिलकर खाना खाते हैं बच्चा की पूरी बात सुनिएगा । मैं इस बात को कहे कर अपना दबाव नहीं बना रहा हूं, केवल अपनी बात शेर कर रहा हूं कोई अभिभावक अगर यह चाहता है कि मेरा बच्चा मुझ जैसा बने इसका केवल एक उत्तर है आपको बच्चे के सामने अपने आप को बच्चे के लेवल पर लाना पड़ेगा ।

इस बातको बहुत ध्यान से समझेंगे, कि मेरे बच्चे को कौन ठीक करेगा टीचर्स करेंगे ?

कल बच्चे को बीमारी हो गई डॉक्टर ठीक कर देंगे , मेरे अपने ख्याल से कहीं ना कहीं गलती हैं ,टीचर सुविधाएं दे सकते हैं, टीचर रास्ता बता सकते हैं जिस तरह से गूगल मैप से हम मोबाइल में चलें हमें वहां जाना है केवल रास्ता दिखाएगा जाना आपको ही पड़ेगा । मेरे बच्चे की जितनी जिम्मेदारी है, जब मैं लूंगा बच्चे आपके साथ साथ चलेंगे और कभी भी गलतियां होती हैं,तो क्या बड़ों से गलती नहीं होती, उस को समझो बच्चे को दोबारा से मौका दो बच्चा अच्छा बन जाएगा, तू फेल हो गया तेरे नंबर क्यों काम आए तो भी कोई बात नहीं , दूसरा काम कर लेगा, तीसरा काम कर लेगा ।

एक बात में और कहना चाहूंगा अगर आपके पास कुछ मिनट का समय हो बच्चे की सारी की सारी जो बातें हैं सारी की सारी सही है बच्ची की अदर एक्टिविटीज सब कुछ ठीक है । लेकिन कहीं ना कहीं कुछ ना कुछ और भी बात है बच्चों के दो विषय हैं सबसे महत्वपूर्ण मैथ और साइंस । मैथ गिनने की क्षमता पैदा करता है साइंस सोचने की । थोड़ा सा कोई बच्चा डांस में बहुत अच्छा है कोई बच्चा नाटक बहुत अच्छा कर सकता है बहुत अच्छा काम कर सकता है गुड एक्सीलेंट पर बच्चे की बुद्धि क्षमता को तराशने के लिए कहीं ना कहीं मैथ और साइंस को आप पीछे नहीं कर सकते। ।

बहुत सारे बच्चे और अभिभावक शिकायत करते हैं कि सूरज स्कूल में काम बहुत करवाते हैं। एक बार आप समझने की कोशिश कीजिएगा, बच्चों की इस एज में क्या कोई ऐसा तरीका है कि बच्चा अपने आप को समझ ले कि नहीं मैं बड़ा हो जाऊंगा तब मैं काम करूंगा अब बच्चे से कोई काम करवाने के लिए केवल एक ही तरीका है आदत बनानी पड़ेगी, बच्चे को उठाना पड़ेगा, बच्चों को कहना पड़ेगा कि आप यह काम करो । आज कल एक नया शब्द आ रहा है कि मुझे इस काम में रुचि नहीं है, उसका केवल एक तरीका बच्चों में लिखने की आदत कैसे बनेगी, बच्चे में होमवर्क कैसे करवाया जाएगा, थोड़ा सा ज्यादा करवाया जाएगा आज बच्चा 2 फुट छलांग लगा रहा है तो कल 3 फुट लगाएंगे बच्चों के पहले यूनिट टेस्ट में से 30 में से 10 नंबर आए जब रोज करता जाएगा करता जाएगा तो मैं यह मानता हूं, कि बच्चे की आदत बन जाएगी, कि बेटा आप कर लेना । आप सभी लोगों ने अपने अमूल्य समय निकालकर इस लेख को पढ़ा, हम से जुड़े संस्था के बारे में समझा, कोटि-कोटि धन्यवाद।

Mr. Harish Prasad
Director & Editor

The roots of education are bitter, but the fruit is sweet. Aristotle

RESULTS

CBSE - 2020 पुरे हरियाणा में सबसे अधिक



HIMA YADAV
D/o
Rajesh Kumar

Schools Topper
97.20



AGRIMA SINGH
D/o
Sumer Singh

Schools Topper
97.20

10TH
Toppers

97% से अधिक

12

95% से अधिक

91

90% से अधिक

305

85% से अधिक

446

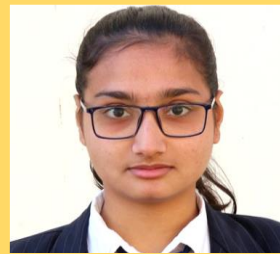
12TH
Toppers



RAVINA
Krishna Kumar
Mirzapur
Arts | 98.2%



LALITA
Balwant Singh
Garhi
COMMERCE | 98.0%



ABHILASHA
Dariyav Singh
Dakhora
MEDICAL | 97.2%



ASHISH
Naval Singh
Bichhala
NON MEDICAL | 97.2%

Following Gandhiji's Vision...

NEP-2020 is the beautifully drafted document which envisioned **Gandhiji's Nai Taleem' Policy**. Gandhiji said-

“By Education, I mean an all around drawing of the best in child and man, in body, mind and spirit.”

The vision of Education laid down in the NEP 2020 suggests Gandhiji's ideas on Education which are relevant even today as it attempts to bring in some key elements of 'Nai Taleem' into the current education system. In 1937, Mahatma Gandhi disseminated an important idea to revamp the education system at a conference in Wardha, Maharashtra through 'Nai Taleem'.

In 1978, the Ministry of Education limited the role of 'Nai Taleem' in the form of craft- work alone to be covered through the socially useful productive work – or SUPW. Later National Curriculum Framework 2005 included 'work and Education' section, highlighting its utility in knowledge acquisition, skills formation and value creation. And now..... The notable changes in school education under the National Education Policy (NEP) 2020 resonate with none other than Mahatma Gandhiji's ideas of education. He wanted an education system in which education and labour are complementary and help in eliminating unnatural division between 'haves' and 'have-nots', rural-urban divide through equitable balances.

The NEP 2020 brings in a new hope that Gandhiji's vision would be fulfilled. 'Nai Taleem' focussed on nurturing multiples skills in a child based on her/his interest and so is our National Education Policy 2020. It is interesting to note that 'Nai Taleem' advocated participation of the local communities as primary owner of schools and now after so many years the NEP 2020 also talks of developing mechanism to incentivize local citizens.

Mahatma Gandhiji's view on sanitation and cleanliness and its relevance can be witnessed in today's World. His dream was total Sanitation for all. Gandhiji termed cleanliness next to only godliness and rightly so. Keeping this thought, the government launched the 'Swachh Bharat Mission' on 2nd October, 2014. The aim was to provide Sanitation facilities to every Indian household and make the nation open defecation free.

Gandhiji requested all Indians to use handmade local products to promote 'Made in India' products. Now when the whole world is going through this challenging time of pandemic, our Prime Minister Shri Narendra Modi has given us the slogan 'Local is Vocal' to improve our country's economy. He is encouraging all Indians to once again follow Gandhiji's path to feel enabled and empowered.

“ A man is but the product of his thoughts, what he thinks, he becomes.”

Dr. Seema Ahuja
Principal
Suraj School Sector 75

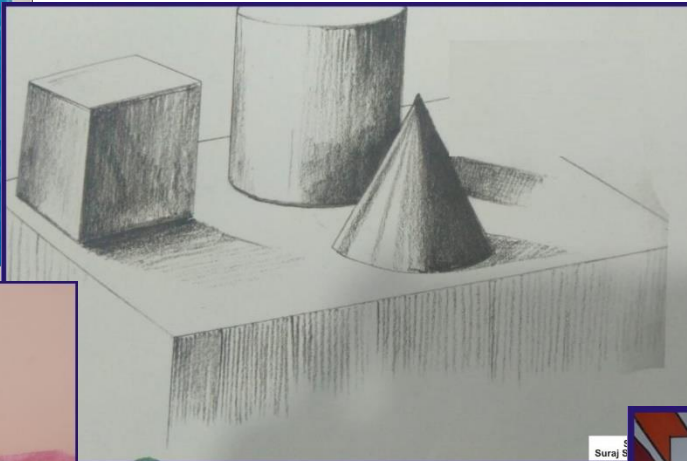


STOP!



Himanshu Yadav
Class - 7th / NS
Suraj School Pataudi

art gallery



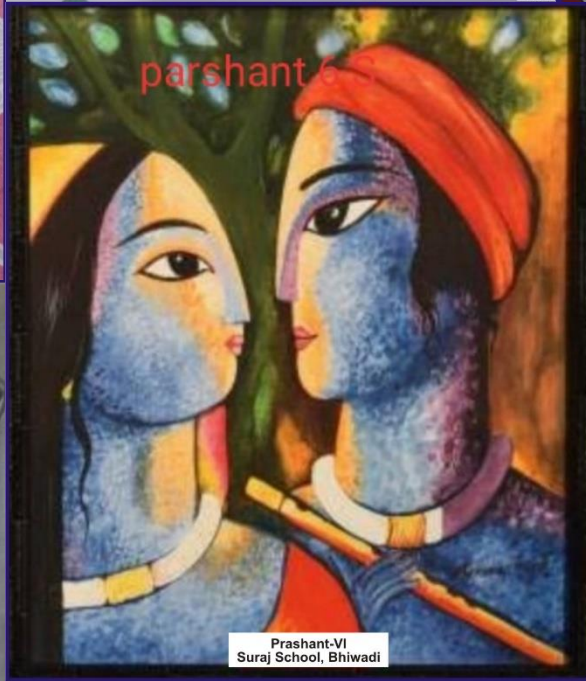
Suraj



Mayank Rajput-XI
Suraj School, Bhiwadi



Lakshita Saini-III



Prashant-VI
Suraj School, Bhiwadi



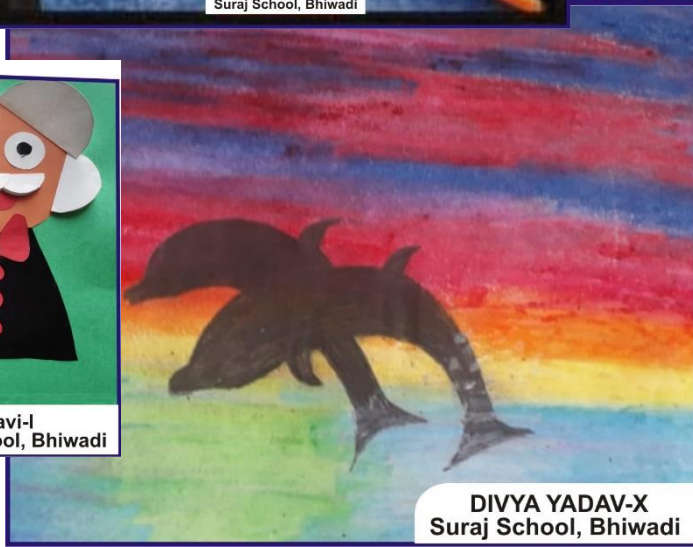
Ayushi-IX
Suraj School, Bhiwadi



Palak-VI
Suraj School, Bhiwadi



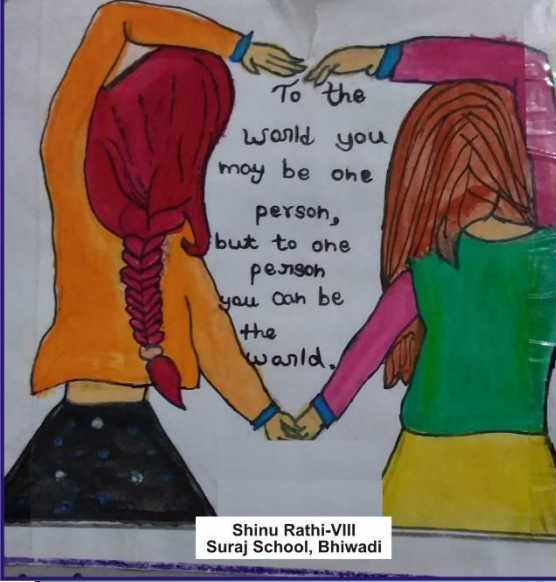
Aravi-I
Suraj School, Bhiwadi



DIVYA YADAV-X
Suraj School, Bhiwadi



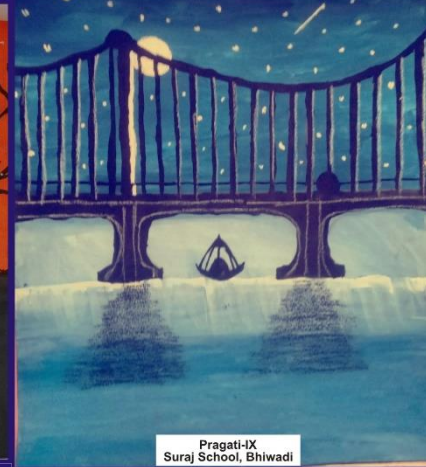
Siddharth-IV
Suraj School, Bhiwadi



Shinu Rathi-VIII
Suraj School, Bhiwadi



Pragati-IX
Suraj School, Bhiwadi



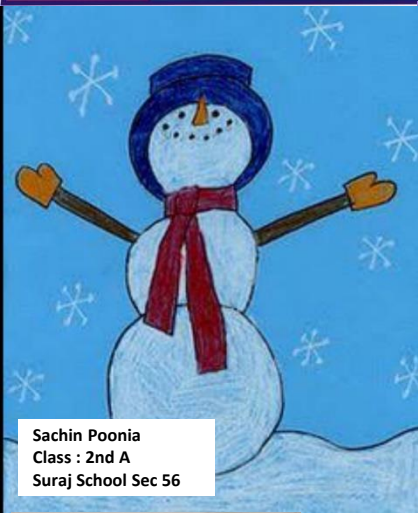
Pragati-IX
Suraj School, Bhiwadi



Aarvi Mishra-II
Suraj School, Bhiwadi



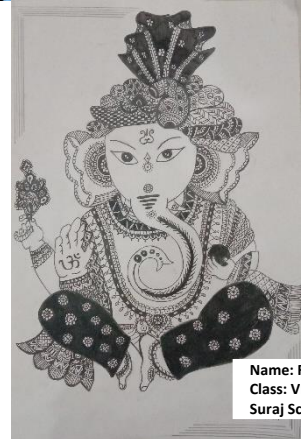
Mahak Kushwaha-V
Suraj School, Bhiwadi



Sachin Poonia
Class : 2nd A
Suraj School Sec 56



Somya-IV
Suraj School, Bhiwadi



Name: RIDHIMA
Class: VII SP1
Suraj School Rewari



Somya-IV
Suraj School, Bhiwadi



HIMANI
CLASS - 8th
SURAJ SCHOOL MAHENDERGARH

STUDENT ARTICLE

The Real Learning Class

12th class- Everyone can tell many things about it. But not everyone who can understand it's importance in a student's life. In school life it's final class but in reality it's a start towards learning and understanding different values in a society, students gain real knowledge and moral values in 12th class. This last year of school life changes a student into a complete citizen. Teachers play a vital role in this process. They give moral values along with bookish knowledge. They don't compromise with studies as it is question of career of a student. Students also work hard and obey their teachers. But negative side is always there. 12th class is not only future making but it is also future deforming for some students. 'Life deforming ' no-no-no, it's not the 12th class which deforms the career of student but he himself is responsible for that along with his friends. Students deviate mainly because of friends - make friends which in reality are worst than enemies . Students should not deviate in class 12th. Teacher ,parents and especially students should be careful in this class and should try to prove 12th class as a treasure in the field of knowledge.

Let us join hands to gain maximum knowledge not only in 12th class but in every class of school life.



Neetu yadav
Class: 12th 'A' (NM) / Roll no. 13
Suraj School Mahendergarh



Skill program of Narendra Modi

What is skill? What comes in your mind whenever you hear the word skill? Well, the meaning of 'skill' is the ability to do something well especially from training; practice, hardwork and the skill yes you. Here right 'skill' well there are many 'skills'

in the world like potters making for you may have seen pots the things we need for making pots are time patients hard work and skill by seeing their our Prime Minister

Or I say Narendra Modi had launched a campaign call 'skill' India on 'National Skills Development

Mission of India which is managed by 'National Skills development Corporation of India and **Narendra Modi** said :-

"The Spell To Relevant is to Skill, Reskill and upskill"

" Let's come together and make our India and Upskilled country"



Name :- Geetanjali
Class :- 7th N3
Suraj School Pataudi

“ Skill, Re- Skill और Upskill का ये मंत्र जानना समझना और इसका पालन करना हम सभी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है ”



Skill India

कौशल्य से कल्याण कौशल भारत अभियान

Develop a passion for learning. If you do, you will never cease to grow. 12

-Anthony J. D'Angelo

Dogs

dogs, dogs, dogs
The cutest animals of all
Sometimes they are tall

They come in different breeds
But don't like seeds

My favorite animal is a dog
I will even take it to a walk in the fog

Some of them are stray
I wish they could get an owner you
also pray

They sometimes make a mess and may
rip my favorite dress

I wish I had a puppy as a pet
But the goal is still set

They are white, brown and black
And just love an evening snack

Name: Atiksh Berry
Class: VI A
Suraj School Sec 56



My School

My School is the best.

My school name is Suraj School.

It is very big and it has a very big
ground to play.

There are very good teachers in my
school.

My Teacher name is Nishu Bawa
mam.

She is also the best teachers the way
she teachers is the best I can

Understand what she teachers to us.

Like my school very much.

Name : Pinki Kaushik
Suraj School Sec 56

You educate a man; you educate a man.
You educate a woman; you educate a
generation. -Brigham Young

Narendra Modi



Full name of 'Narendra Modi' is Narendra Damodardas Modi. He was born on 17 September 1950 in Vadnagar, Mehsana district, Bombay State (present day Gujarat). His father's name was Damodardas Mool Chand Modi and mother's name was Hiraben. He was born into a middle class family. At the age of 13, he was engaged with Jasoda Ben Chaman Lal and when they were married, he was just 17. At the age of eight Modi discovered the RSS, and began attending its local shakhas (training sessions). He made his focus on the social and cultural development organizations, national volunteer organization. He served flood victims in Gujarat in 1967. Narendra Modi played important roles on several occasions during his work with RSS. In 1987, Narendra Modi entered into the main political stream by joining the Bharatiya Janata Party (BJP). Within a year he was appointed as General Secretary of the party's Gujarat unit.

He truly pioneered the challenging task of enabling the party workers, because of which the party started gaining political mileage. In October 2001, Narendra Modi was appointed as Chief Minister of Gujarat. In the 2007 elections the BJP led by Modi once again got a massive majority. In the 2012 elections, the BJP led by Modi once again gained a large majority. Modi sworn in as fourth consecutive Gujarat Chief Minister. Due to his fame and style, Modi was declared as candidate for Prime Minister by Bhartiya Janata Party in 2014 general elections. After being declared candidate for Prime Minister, he visited the whole India. Under his leadership, the BJP gained phenomenal success in the 2014 elections. On May 26, 2014, Narendra Modi was sworn in as India's 15th prime minister. The Indian Prime Minister is known for his disciplined life and he expects the same discipline from his team. Soon after taking the oath as the Indian Prime Minister, he used to call the other members of his cabinet on their landline in their respective offices. He intentionally used this technique as this was the best way to check if they are reporting to the office on time.

Name : Pinki Kaushik
Suraj School Sec 56

ONLINE CLASS

Suraj ensures excellence in academics by emphasizing on imparting a curriculum which integrates best practices in education with unique teaching methodology, through latest tools. A well balanced curriculum and emphasis on all round development of child. Best school to nurture children's hidden talents and interests by giving virtual hobby classes.

Thanks and regards
Mr. Rahul Jain
Class - III



WATER

Water is that Amrita which daily sustains our life on the earth. We need water for daily use at home and for agriculture. Drinking water is however limited. We get it mainly from the clouds and glaciers. If this resource is used wisely, then there will be no problem. But unfortunately it is being over-exploited. Our ever-increasing population has created scarcity of water. It is predicted that by 2025, nearly two billion people will live in absolute water scarcity. This is a signal to be cautious enough in the use of water. Every drop of water is precious and it must not go in vain. Water shortage is a grim reality for the cities as well as villages. We need to wake up to it now then be sorry later. We must think about the ways to conserve this precious resource. We must conserve water in ponds and tanks. We should be rational towards using it. We should try our best to use water cautiously for our sake. If we continue to use it recklessly, we will have to face dire consequences. By saving water we will save ourselves.



NAME :- ANKIT ROUT
CLASS :- VII N2
SURAJ SCHOOL SEC -75

School Life

School life is very important part of one's life, It provide opportunity for study and discipline. Besides these, the school life is a preparatory stage for entering public life.

School plays an important role in widening the outlook of students. Virtues such as perseverance, sincerity, in pupils. School provides opportunity to the students to be disciplined. They show discipline in class room , play ground, hostel, and library at other places.

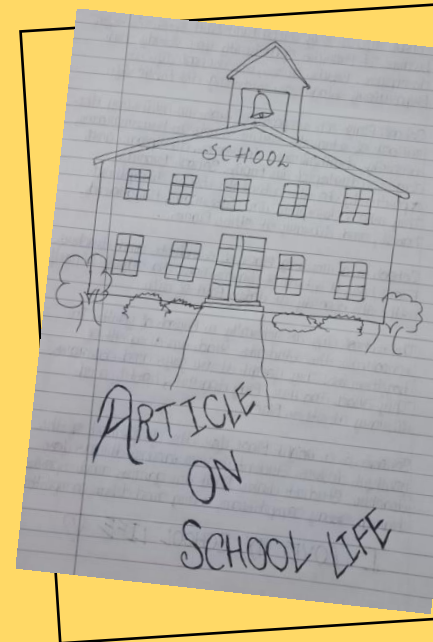
School is a meeting place of students and teachers. from here a student learns how to adjust himself with the society at later part of life.

The school life is generally a period of youth. In school , all the students read in a spirit of togetherness they forget their Joys and sorrows . they read together, play together and sit together. In these days their minds contain some youthful dreams which come true as they grow in age.

School is a right place for the fulfillment of the youthful desires. Student take part in games and sports, drama , essay competition etc. School also give the foundation for the budding poets, scientists, writers, doctors, engineers and musicians. It is in school that the students enjoy the affection of their teachers.

I love my school life ♥♥

-Aarti Kaushik



Message from Principal's Desk



Ompal Yadav
Principal
Suraj School Rewari

If everyone is moving together, then success takes care of itself. When you enter our beautiful campus the first thing that strikes you is the piety and cognitively rich atmosphere which is all pervading in our corridors. As one gets acquainted with our culture and ethos, one realises that family values, dedication, purity and bio conservation are not mere words for us. There are the maxims that we live by. Our idyllic working atmosphere, fashions tireless and devoted facilitators, who have today created their own masterpieces on the canvas of education. Winged as their brushes are by devotion, faith and love which are the hallmarks of our institutions.

Importance of Time

It is very well said "Time isn't the main thing, it is the only thing." Everybody around us keeps on speaking about time management, importance of time, and all those things. You guys must have met a lot of people, who make you realise how important it is to move on with time, being a student. So I'll not do that, I will not directly ask you to realise the worth of time rather we will talk about worth of being on time. So, let's talk about Importance of Time Management. Do you know that time flies, but the good news is that you are the pilot!!! So, when you just manage to do all your tasks in a good time, it reduces your stress, it brings in you a sense of achievement, boosts up your energy, increases your productivity and most importantly it helps you in achieving your short as well as long-term goals. So, do you want to inculcate this essential life skill or not, think about it, the choice is yours. And always keep in mind, time is the thing that can make anyone, zero or hero. Good Luck!!!



Neeru
Editor
Suraj School Rewari

USE AND IMPORTANCE OF TECHNOLOGY

Technology is important because it makes you feel more secure with every area in life for both personal and business reasons. With technology advancing more people are able to have access to supplies such as fresh water and food because technology can help deliver those items to people that otherwise couldn't get it.

The use of technology in education has removed educational boundaries, both students and teachers can collaborate in real time using advanced educational technologies. Technology has helped in the growth of mobile learning and long distance learning.

The implementation of technology in schools helps close that gap. Technology has the ability to enhance relationships between teachers and students. ... Technology helps make teaching and learning more meaningful and fun. Students are also able to collaborate with their own classmates through technological applications.

Technology also has the power to transform teaching by ushering in a new model of connected teaching. ... This model links teachers to their students and to professional content, resources, and systems to help them improve their own instruction and personalize learning.



Shobha Singh
TGT S.S.
SURAJ SCHOOL MAHENDERGARH

BEING A TEACHER

Every day you greet your students with a smile upon your face.

Though paperwork the night before seemed like a gruelling race.

Money is not your motivation, it's the love for what you do.

You hear that special calling to which you always will stay true.

Your students are your dedication, devotion is to them.

To you each child is unique and special, a beautiful little gem.

Some days are just demanding and frustration takes its course.

Then you see those little faces, inspiration is your force.

Each day you're in your classroom reminds you why you're there.

Making difference in children's life with whom your heart you share.

There is a special pride in teaches and a love for what you do.

And appreciation is always shared between those little lives and you.



Anandita Thakkar
Spark Block Coordinator
Suraj School Bhiwadi

'My Thoughts'

To me education is the greatest level . It is the only instrument that we can give a child which will help him or her to have a level playing field, it doesn't matter whether he is from urban Or rural area ,he is poor or rich, if the child has the power of spirit , in my words -----

We give them wings to fly. One must begin by trying to leave the nest. We should motivate them.

The Motto of Suraj ' I will teach you the way you want to learn. ' We make them successful They make us proud '.

Babita Sharma
T.G.T English
Suraj School Mahendergarh



Scoring Mantras in Business Studies

Importance of Business Studies

As the name suggests Business studies equips you for the corporate/business world by giving flavour of all the different aspects of business. Business activities affect the daily lives of all the human beings. It has significant effect on the standard of living , quality of life and on the economy as a whole.

Eventually all students will encounter the world of business whether they work in a business organization or start up their own business enterprise.

Books to be followed

To fetch good or full marks in 12th CBSE Board examination students should be thorough with their **NCERT** Business Studies books as the final question paper will be prepared according to it.

Case Studies

Case studies are introduced to check student's ability to understand and apply his/her knowledge in given situation.

Read and examine the CASE STUDY thoroughly. Underline the key points. Most of the time answers are hidden in the case only.

Case study questions are lengthy but answers to them are generally short.

Multiple Choice Questions (MCQ)

The purpose of MCQ is to measure student ability and understanding with regards to specific topic.

The MCQ of Business Studies cover all the chapters and topics .

MCQs enable students to score marks easily as they come under objective questions in the paper.

Art of Attempting the Business Studies Paper

Read the question paper thoroughly. Always remember “work well begun is half done”.

Write an appropriate opening line for each answer.

Always divide the long answer questions into sub- points and leave line between sub-points

Develop command over speed of writing the paper

Write your answers in points only.

Do not extent word limits while answering the questions.

Presents your answers with the help of charts, graphs & cartoons.

Make sure you attempt all the questions.

These MANTRAS will definitely help you in scoring very good marks in Business Studies.

Business Studies cannot be crammed just before the exam so you need to start early. What are you waiting for?... Fasten your seat belts and fly higher. Happy Learning

Surina Singh

PGT Business Studies

Suraj School Sec 75 Gurgaon





If you have to ask why me?
When you're feeling really blue,
When the world has turned against you
And you don't know what to do,
When it pours colossal raindrops
And the road's winding mess,
And you're feeling more confused
Than you ever could Express,
When the saddened Sun won't shine,
When the stars will not align,
When you'd rather be Inside your bed,
The covers pulled Above your head,
When life is something
That you dread
And you have to ask Why me?....
Then when the world seems right and
true,
When rain has left gentle dew,
When you feel happy being you,
please ask yourself Why me? then, too.

Kavita Soni
TGT English
Suraj School
Mahendergarh



अभ्यासेन किं न सिध्यति

अभ्यास मनुष्याणां विद्वता ददाति,
अभ्यास मनुष्याणां धनाढ्य करोति।
अभ्यास मनुष्याणां बलवान करोति,
अभ्यास छात्राणां प्रवीणःकरोति।
अतः पुनः पुनः अभ्यास कुरु-
अभ्यास मूर्खाणां पंडित करोति।
नूनम् अभ्यासेन तु सर्वाणि कार्याणि सिध्यन्ति।
अभ्यासेन किं न सिध्यति।



नीलम शर्मा
संस्कृत अध्यापिका

बेरोजगारी

बेरोजगारी , बेरोजगारी , बेरोजगारी कैसी है
ये बेरोजगारी ?
काम करना चाहते हैं लेकिन काम नहीं
इस लॉकडाउन के समय में चैन नहीं ,
आराम नहीं , आराम नहीं ।
जिंदगी जीना चाहते हैं ,
लेकिन पेट भरने को अन्न नहीं
कैसी आई है ये महामारी ,
दे गई है सबको बेरोजगारी ।
देश की अर्थव्यवस्था एक बात कहे सच्ची
भिखारियों की हालत बेरोजगारी से अच्छी
बेरोजगारी , बेरोजगारी , बेरोजगारी
कैसी है ये बेरोजगारी

By
Mrs. Sumitra jain ,
TGT cordinator



NEP 2020: A Long Haul

1986 Education Policy was the policy of 20th century. As per the demand of the time, Education Policy was also required to be changed. The society is like the two parts of a scale. Conservatives who do not want any change and want this society to run in the same stereotype manner because they can't bake their chapattis if the new model comes. They are fearful of any new change. The other part is the part of liberals, they want to go ahead with the demand of the time. N.E.P (new education policy) 2020 which has been substantiated by cabinet government last month has to cover a long way to turn into a law. A fresh language war has been erupted over the new education policy 2020. Two leading parties of Tamil Nadu, DMK and AIDMK, have lashed over central government. M.K Stalin, DMK chief, has also slammed the centre's education policy. In a federal system, any educational reform can be implemented only with the support from all the states, the centre has a giant task of building a consensus. NEP chose to push three language formula to promote multilingualism and national unity. Though the policy said that there will not be any imposition then also South Indian states are calling it 'saddening and painful' and appeal to the Prime Minister to allow States to follow their one language policy. These states are thinking that the policy is paving the way for Hindi to enter the state through back door. Agitation of 1968 and refusal of Jawahar Navodaya Vidyalayas are the past examples of their indignation. These States think that two language policy of Tamil and English has worked well in the state. The world is being liberal day by day and English being a global language, can play a significant role. They feel that Hindi can impede the proficiency of the people. IT, medical and science and research sectors are attributed to the English fluency. Having consensus of these States would not be easy for NEP. India's Federal nature and diversity demand that no regional language is given Supremacy over another. Only time would tell what would be the fate of NEP 2020.



Surina Singh
PGT Business Studies
Suraj School Sec 75 Gurgaon

Interesting facts about Maths



From 0 to 1,000, the letter "A" only appears in 1,000 (thousand).
40 when written "forty" is the only number with letters in alphabetical order, while "One" is the only one with letters in reverse order.
"Four" is the only number in English language that is spelt with the same number of letters as the number itself.
Every odd number has an "e" in it.
 $(6 \times 9) + (6 + 9) = 69$
Just type that into your calculator and you will see it's true.
Among all shapes with the same area, the circle will always have the smallest perimeter.
"Seven" is most commonly used numeric in human culture. We have seven wonders, seven rainbow colours, seven seas, seven Dwarfs and seven days of the week.

Vimmi Hasija
(TGT Maths)

Children must be taught how to think, not what to think. -Margaret Mead

Suraj school is one of the best institution setting higher standards of education in the area. I always feel very motivated and guided working with this institution.

This school is committed to provide education that helps to develop children into balanced personalities.

The school also focuses on conducting both scholastic and co-scholastic sessions well for the holistic development of your child.

The school also proffers Sports and catering to the all round development of students with different co- curricular activities. Suraj school aims the brightest future for all the students .

The school staff is cooperative and helping by nature .

Suraj school provides a very safe and peaceful environment along with teachers having concrete knowledge of their subject to all the students for their uninterrupted studies .

Thanks
Manisha Yadav
(Physics Dept.)
Suraj School Kosli

INTELLIGENCE QUOTIENT (IQ) & EMOTIONAL QUOTIENT (EQ)

1. There are Lotus flowers in a lake. The area covered by Lotus flowers doubles in size every day. If it takes 50 days for the Lotus flowers to cover the entire lake, how long would it take for Lotus flowers to cover half of the lake?

- 5 Days
- 10 Days
- 49 Days
- 39 Days

2. The day after tomorrow is four days before Monday. What day is it today?

- Monday
- Tuesday
- Wednesday
- Thursday

The intelligence which you used to answer above questions is measured with IQ, "**intelligence quotient**". The IQ is a measurement of intelligence and is expressed in a number. A high IQ score will mean higher reasoning and problem-solving abilities. The intelligence quotient measures working memory, arithmetic ability and processing speed.

Some of us are born more cognitively intelligent than others. 50-80% of the IQ score is due to genetics. Remaining part of IQ is linked to the environment where nutrition, education, and health care play a big role.

IQ classification table

IQ scale score	Interpretation of IQ
130 and above	Extremely High(Genius)
120–129	Very High
110–119	High Average
90–109	Average
80–89	Low Average
70–79	Very Low
69 and below	Extremely Low

IQ is just one measure of our abilities and there are many other kinds of intelligence in addition to intellect. One important type of intelligence is emotional intelligence.

Emotional intelligence (emotional quotient or EQ) is the ability to understand, use, and manage your own emotions in positive ways to relieve stress, communicate effectively, empathize with others and overcome challenges. Emotional intelligence helps you build stronger relationships, succeed at school and work, and achieve your career and personal goals.

Emotional intelligence is commonly defined by four attributes:

1. Self-management – You're able to control impulsive feelings and take initiatives.
2. Self-awareness – You know your strengths and weaknesses, and have self-confidence.

3. Social awareness – You can understand the emotions, needs, and concerns of other people.
4. Relationship management – You know how to develop and maintain good relationships.

IQ is thought to contribute towards about 20% to the factors that determine life success. A significant portion of the 80% will be decided by the Emotional Quotient.

Lets see the importance of this in an interesting story.

The Smart Dog

There was a very smart dog. One day, he got a little adventurous. So it went deep into the jungle, where a tiger saw it. The tiger had never seen a creature like this before. He thought, “He looks like he’ll make a good afternoon snack.” He growled and started coming towards the dog. But this is a very smart dog. It wanted to run, but it knew if it ran, the tiger would catch up in no time. He saw a heap of bones nearby and started strutting around saying, “Oh my god! These tigers make a real good meal. Ha!”

The tiger hesitated and stepped back. “Oh, this is some kind of a creature that has tigers for a meal. And all these heaps of bones.” He turned back and moved away.

A monkey sitting on a nearby tree saw this. He told the tiger, “He just fooled you. That’s just a dog. I’ve been into the villages. He can do nothing to you. He doesn’t have the strength of even one of your paws.” The tiger felt stupid. “What? He fooled me? Come, let’s catch him.”

International Olympiad of Value System, Health & Wellness



1st Of It's Kind Olympiad

30 Essential Skills	8 Free Sessions	15+ Countries	1000+ Schools
----------------------------------	------------------------------	-------------------------	-------------------------

For Every Child

Emotional Intelligence, Goal Setting,
Stress & Anger Management,
Success Skills, Global Awareness,
Healthy Eating, Immunity & Healing,
Environmental Health & more

Awards

Laptops, Tablets,
Fitness Bands,
Discovery + Subscription
& Certificates

Registration open for Class III to X Students
Visit www.zenikolympiad.com to register (Fees: 200+GST)

Ideas Worth Spreading

So the monkey jumped onto the tiger’s back and they started running towards the dog.

The dog saw a monkey riding a tiger and coming towards it. It knew what had happened, but this is a smart dog. He yawned and said, “Where is that monkey who I sent to bring a Tiger? It’s been almost an hour since I sent him. Where is he?”

The Tiger heard this. He dropped the monkey and ran away as fast as he could. We need to identify our natural competencies and nurture them.

python FOR BEGINNERS

The Motivation.

Imagine having to climb a mountain of boring stuff before you could get to what you actually want!

Wouldn't it be wonderful, if only you could start almost from the top and pick up the things we actually need as we descend ?

The picture you see is one of the famous mountain cliffs in Norway, The Pulpit Rock (Preikestolen). The view is amazing from the top. I was here in year 2011. On my way down, I slipped and I had to limp for 5 hours just to get down. The day before I climbed another popular mountain after 9 hours of night driving. My muscles were tired and needed to relax. I kept pushing them. I learned where my physical limits were. I still had to drive for 9 hours, only to get back home. You must be wondering, what it got to do with Python for Beginners. Bear with me.

I assume, you have heard of Python !

I am not gonna bore you with all the technicalities or the industry jargons, just be with me and keep reading for next 3 minutes !

Python, is a great programming language as a first language. I must admit, it was not my first programming language though. Back in my time, it used to be C. I took almost a month to tame C in 1996. After years in the industry, took just 1 hour to code my first working code in Python. That's how easy it is to learn Python for anybody, or you.



Python is easy to learn, highly readable, and simple to use. It has a clean and English-like syntax which requires less coding, makes it fun to work with.

Python is a great language for programming beginners to learn, and you don't need any prior experience with code to pick it up, of course under the structured and proper guidance.

What I found boring while learning Python was how generic all the learning resources were. I

wanted to do a specific task, why shall I learn the whole thing ? **What worked for me was blending learning the basics with building interesting things. I spent as little time as possible learning the basics, then immediately dove into creating things I needed.**

Before you start diving into learning Python, it's worth asking yourself why you want to learn it. It keeps you motivated. Without enough motivation, you probably won't make it through, no matter how easy the subject is.

I believe that the first step in learning any programming language is making sure that you understand how to learn. Learning how to learn is arguably the most critical skill involved in computer programming.

Consistency is very important when you are learning a new language, code everyday and build something, anything. Some fun examples could be: Simple addition calculator, number guessing game, Dice roll simulator or many more...

KEEP LEARNING

If its not fun to learn, chances are high that your kid is not going to continue the interest in the subject for long. Games are fun programming projects for kids to learn Python, something they can easily relate to.

Motivation is a key component of successful learning. Without the proper incentives, students can get bored and abandon a subject before they've become proficient. The key is to ease kids into learning Python by working with small chunks of information at a time. If the information is organized into a highly visual format, that's even better.

Here is an extremely simple Python code to add two numbers entered by user :

```
number1 = input("First number: ")
number2 = input("\nSecond number: ")
# Adding two numbers
# User might also enter float numbers
sum = float(number1) + float(number2)
# Display the sum
# will print value in float
print("The sum of {0} and {1} is {2}" .format(number1, number2, sum))
```

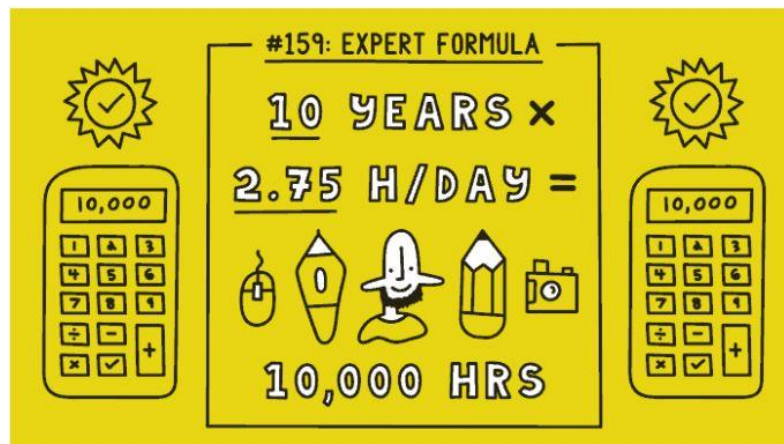
I promised you, not to get too technical. With Python, you open yourself to unlimited career potential. Python is no longer just for computer programmers. Python is not just a programming language anymore, it has become a necessary skill. Financial Analysts, Entrepreneurs, Marketing professionals, Advocates, Journalist, Educators; all need it in various degrees in performing their daily work more efficiently.

Python has a large community that continuously contributes to its development.

At the end of the day, Python is evolving all the time. There are only a few people who can legitimately claim to completely understand the language, and they created it ! Python is a really fun and rewarding language to learn, and I think anyone can get to a high level of proficiency in it if they find the right motivation.

Back to the cliff story, the next day I had to write my first Python code. Only by pushing myself to the limits in previous 3 days, I realized where my limits were. When I was there at the crossroads with my limits, I realized how to learn Python in just 1 hour. That was my Shangri La moment.

Keep Learning !!Looking forward to see you soon.



USE~CASES OF PYTHON

Many of you have heard of **Tesla**; the great self driving car from Elon Musk. A normal car has over 10,000 moving parts, whereas a Tesla has around 150. It's an electric car. By market value, it's the biggest car company on this planet. The car runs on Python, well not solely. Other popular applications of Python are:

- Data Science / Machine Learning
- Artificial Intelligence (AI)
- Robotics Process Automation (RPA)
- Mobile apps
- Websites
- Games
- Data processing and analysis
- Hardware / Sensors
- Automation Scripts



Python is heavily used in Insurance, Retail Banking, Finance, Business services & Aerospace. I like to mention one resource that I think is the most beneficial (and also lots of fun) for those planning to get quick insight into Python.

All of the online learning portals requires that you are a self starter. **Python for You and Me** is a great resource in that it starts from square one.

Amazingly enough, but you do not have to install Python to start working with it. Just use this online python interpreter **Online Python Interpreter** and you can have lots of fun with Python without having to install anything.

Free Python Games has some example code for game lovers; just copy/paste, run & enjoy the game !

Different companies and industries have different standards, but in Python, certificates don't carry much weight. Employers care about the skills you have. When it comes to develop a skill, any skill for that sake, Malcolm Gladwell's principle often holds true. This is beyond the scope of this article, so won't write more about it. Highly recommend you to read about it though.

The author of the article, Mr Gagan Gupta, has 22 years of experience working in Norway, Switzerland, Sweden, UK and many other countries, leading cross functional teams. He is certified as PRINCE2, ISTQB, ITPP and an MBA. He runs his Data Science's academy. Visit www.datasciences.in for more details. Anybody interested in learning Python or related subjects, shall contact at +91-730.3434.033 or write an email to: info@datasciences.in Vyom Data Science's is proud to announce a flat 50% discount on Python & related courses. The offer is valid till 21.10.2020, on registration via link: <http://www.datasciences.in/registration?txtcourse=Python>

For more info visit www.datasciences.in

Hindi Crossword Puzzle -2

बाएँ से दाएँ

1. व्यभिचारिणी स्त्री 2. बिना विवाह किए रखी हुई स्त्री; रखैल; उपपत्नी।
4. 1. सूत्र 2. नियम; नुस्खा 3. विधि; सिद्धांत 4. किसी काम को करने का तरीका; गुर; तरकीब; जैसे- फ़िल्म हिट करने का फ़ॉर्मूला 5. सांकेतिक भाषा में तथ्यों का विवरण 6. औषधि या दवाई के घटक तथा उसे बनाने की विधि 7. मतभेद सुलझाने या समझौता कराने का उपाय।
5. 1. वह कर्मचारी जिसपर किसी कार्य का दारोमदार या पूरा दायित्व हो 2. स्तंभ 3. राज्य का प्रमुख
6. नट; कलाबाज़ी दिखाने वाला व्यक्ति।



हल 1st Puzzle

1					2
			3		
		4			
		5			
6					

ऊपर से नीचे

1. धरती पर गिरा हुआ; भूमिसात।
2. 1. नागरमोथा घास की एक जाति 2. एक तृण जिससे चटाई बनाई जाती है 3. गोनरा या गोनी नामक घास।
3. 1. जिसमें ज़ोर या शक्ति हो; ज़ोरवाला; बलशाली 2. तेज़; प्रबल; तीव्र 3. ज़बरदस्त; उत्साहवर्धक 4. आग्रहयुक्त; जैसे- ज़ोरदार अनुशंसा।
5. सामूहिक रूप से नमाज़ अदा करने के लिए मस्जिद से होने वाली पुकार या बुलावा।



				1सौ	चा					2प
				पि					3सौ	ड़
			4चु	न	र					पो
			न					5प	ड़	ती
6चु	7न		8चु	न	9चु	ना		ड़		
	भ		डे	न		10चि	त	11प	ट	
12प	च	मे	ल	13चु	न	त		च		
	र			ना				प		
				ह			चु	14न	री	
			15चु	न	ट			ट		
						16प	तु	कि		

Please Send All Quiz Answer at : +91- 9811590519

SUDOKU PUZZLE

How to play Sudoku

The goal of Sudoku is to fill in a 9×9 grid with digits so that each column, row, and 3×3 section contain the numbers between 1 to 9. At the beginning of the game, the 9×9 grid will have some of the squares filled in. Your job is to use logic to fill in the missing digits and complete the grid. Don't forget, a move is incorrect if:

- Any row contains more than one of the same number from 1 to 9
- Any column contains more than one of the same number from 1 to 9
- Any 3×3 grid contains more than one of the same number from 1 to 9

	7		3		1	9	8	
5	4					6	1	3
		1						7
1	5	7					3	
3							4	5
		4					9	6
	1	5	6		2	3	7	
7			8					
	2					5		1

Did you know

One of the best ways to remember something is to tell someone else about his studies so when you immediately relay what you've learned, you're more likely to remember the details for longer than if you just re-read your notes or textbook when your brain categorizes memories it keeps the most important ones more accessible because it assumes the information you've told someone else must be pretty important



9	2	6	7	8	1	4	3	5
8	5	1	4	3	9	2	7	6
4	7	3	5	2	6	9	8	1
5	6	8	2	4	7	1	9	3
3	4	2	1	9	5	8	6	7
1	9	7	8	6	3	5	2	4
7	3	4	9	5	8	6	1	2
2	1	9	6	7	4	3	5	8
6	8	5	3	1	2	7	4	9

Quiz time

MIXED BAG



Q.1) In which year was the Pulitzer Prize established?

- A. 1917 B. 1918 C. 1922 D. 1928

Q.2) To announce the early release of which movie on 13th March, did the makers tweet 'Father's Day comes early'?

- A. Angrezi Medium B. Paa
C. Waqt D. Hindi Medium

Q.3) Born in Karnal on 17th March which lady was part of the crew of 'Columbia' as a mission specialist and primary robotic arm operator?

- A. Kalpana Chawla
B. Vikram Batra
C. Jaydev Unadkat
D. Biju Patnaik

Q.4) The prestigious Ramon Magsaysay Award was conferred upon Kiran Bedi for her contribution in which field?

- A. Literature
B. Community Welfare
C. Government Service
D. Journalism

Q.5) B C Roy Award is given in the field of....

- A. Music B. Medicine
C. Journalism
D. Environment

ANSWERS

1. A) 1917 2. A) Angrezi Medium 3. A) Kalpana Chawla
4. C) Government Service 5. B) Medicine

Please Send All Quiz Answer at : editor@surajschool.com

SPORTS

MI, KXIP look to move on after heartbreaking losses

coming off heartbreaking losses, the

Indian Premier League game between Mumbai Indians and Kings XI Punjab will be a test of character for both sides as they look to regain momentum.

KXIP were at the receiving end of the highest successful run-chase in the tournament history as Rajasthan Royals overhauled a target of 224 with three balls to spare on Sunday. While Kieron Pollard and Ishan Kishan led a remarkable fight-back, chasing 202, before Mumbai

went down to Royal Challengers Bangalore in a Super Over.

Defending champions Mumbai Indians lost their opening game but bounced back to beat Kolkata Knight Riders. However, Rohit Sharma's men failed to cross the line against RCB. Similarly, after losing to Delhi

Capitals in their opener, KXIP came back strongly to register their first points by defeating RCB.

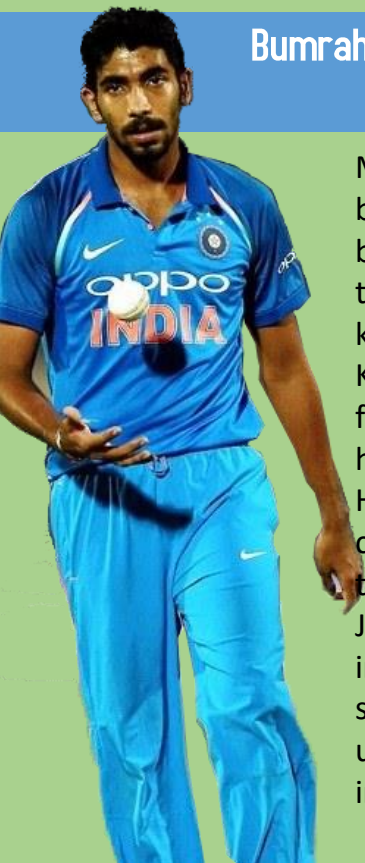
But, despite a fabulous batting display, they lost to Rajasthan.

KXIP have failed to tighten the screws when it mattered most.

In their two losses, they were in a good position but could not grab the moments. Their bowling looked out of sorts

against Rajasthan as they failed to defend a big total with Rahul Tewatia hitting pacer Sheldon Cottrel for five sixes in

an over to win the match for his team. PTI



Bumrah's inconsistency is a big worry

Mumbai Indians are blessed with a splendid batting firepower with the likes of Rohit, Surya kumar Yadav and Ishan Kishan at the top-order, followed by the big-hitting Pollard and Hardik Pandya. A major cause of concern for them will be pace ace Jasprit Bumrah's inconsistency. The speedster has picked up only three wickets in as many games.

MI must get Rahul and Mayank early

Skipper KL Rahul and Mayank Agarwal have made inspiring starts this season, hitting a century and a fifty each, and getting the duo out early will be the key for Mumbai.

Against Rajasthan, the pair shared a 183-run opening stand with Agarwal scoring his maiden ton while Rahul, fresh from recording the highest score by an Indian in IPL history, hit a 54-ball 69.



parents testimonial

Respect Ma'am,

I would like to thank the entire school faculty for putting in so much effort for us during this hard time. The school has been off but our learning hasn't, all thanks to the teachers.

I'm extremely grateful and wanted to acknowledge how beautifully the school has managed to help us in this arduous time.

Thanking you

Feedback from parents of

vivaan kaushik class 3rd A

Father's Name : Neeraj sharma

Mother's Name : Prerna Sharma
Sector-56, Gurugram



We take this Opportunity to express our Happiness & Satisfaction as our Kids enjoyed these Online classes in such a Bad time of Covid 19, Teachers have handled our Kids so well that they really waited everyday for next Session of online class , besides that Suraj Scholl have done great work in arranging everything online to our Satisfaction We appreciate the efforts of School Management and Teachers.

Feedback from parents of
Ayaan Ashish Kaul -Sth A
Aahana Kaul-1st A
Sector-56, Gurugram

'I couldn't think of a better school for my children to be in.'

I parent of Bhawan SG and Prekshita SG of class 4 & UKG want to thank suraj school management for organising online classes that are great way of utilising children time at home during covid-19.

All the promises at the time of admission has been fulfilled & children are growing to the best potential with school activities.

Parent's feedback

Bhawan SG-Class 4&

Prekshita SG- Class-UKG



I am Deepa. My son's name is Aadi Verma and class is 1A. Please find the attached photographs. As you know that today a PTM is organized. It is organized in a good way. I am glad to say that Mrs. Nishu Bawa ma'am teaches and explains to children very well. She is very supportive and understanding. And she is available all the time for our children and parents queries. She always shares many things to help our children. In this lockdown situation ma'am doing great job. My son is doing well and very happy with his class teacher. In today's meeting, many suggestions are given to us by ma'am. How can we help our children and pay more attention on what things. Thank you so much everything.

Thank you Suraj school and specially Mrs. Nishu Bawa ma'am.

Feedback from parents of Aadi Verma

Class I A Mother Name: Deepa





Open Letter to Parents

Dear Parents,

We do hope you & your loved ones are safe during this trying period of the covid-19 pandemic. We are grateful to have cooperative parents like you, who have supported us for years. For Suraj Education Group of schools the overall health & wellbeing of our students has always been our primary concern. In addition to our existing hygiene & cleanliness standards, we have further implemented further preventive measures based on guidelines from the Ministry of health & family welfare, which include

- Sensitizing & training our team members on all cautionary & preventive measures.
- Continuous sanitisation with appropriate disinfectants of all areas & classrooms including glass/ plastic/ metal surfaces/ furniture, table tops, switch buttons, door knobs, railings etc..
- All school workers/ staff/ visitors will undergo a body temperature check on entry to our premises using non - touch digital thermometers.
- In all general/ common areas we have provided clinically approved hand sanitizer's. These include lobbies, washrooms etc.
- For in school premise / students who may not feel well at anytime, our schools are in association with multinational clinics & child care centers in same city to have defined protocol to assist for immediate medical care.

We also understand that in these uncertain times, studies of our children should not hamper so our team of dedicated teachers will share some home assignments for students practice & digital content as well as video lectures of the different subjects that you can get from youtube channel" SURAJ EDUCATION GROUP" link.

Students can also visit schools website & can get the digital content on the homepage of the website.

Moreover our teachers will be in constant touch with you and will keep sharing necessary study material through parents broadcasting groups. Please feel free

to contact us anytime at

surajschoolgurugram@gmail.com

Vice-principal@surajschool.com

In the meanwhile please stay safe.

With Warm Personal Regards

www.surajschool.com



Parents, guardians, anyone can submit their articles for school magazine. Education Institutions, Individual can also subscribe e-magazine “Urja”. Yearly subscription is available at printed price, however its free for Suraj School Students. Anyone can subscribe and can advertise in the school magazine. For your suggestions, subscription, feedback, complaint etc. please write to us at editor@surajschool.com

Thank You

www.urja.surajschool.com